(iii) DIFFICULTIES BEING FACED BY FRUIT GROWERS OF KASHMIR TO BILLING THEIR PRODUCE IN DELHI.

PROF. SAIFUDDIN SOZ (Baramulla) : The horticulture industry in Kashmir valley did go through a phase of Development which brought prosperity to the people involed directly or indirectly in this industry. The fact, however, remains that Central Government did not give it adequate attention. The industry has faced various difficulties, particularly in the sphere of marketing. The manner in which various kinds of fruit are auctioned in the sole market for Kashmir fruits at Azadpur, Delhi, is detrimental to the interests of this industry. It is only a handful of families in Delhi who control the market in Azadpur; and members of the same families organize a 'pool' in the auctions daily, to see that a price is offered which suits them. The malpractices in the auction leave a substantial margin of profit for 'Arahtis' of Delhi, while the growers are left high and dry. The middlemen have to go, and the Union Ministry of Agriculture has to rise to the occasion.

(iv) DEMAND OF NATIONAL CAMPAIGN COMMITTEE FOR A MEETING WITH CENTRAL TRADE UNIONS REGARDING CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS.

SHRI SUDHIR GIRI (Contai) : Sir, the move of the Central Government to introduce a new series of the Consumer Price Index Numbers, with 1981-82 as the base year, in the light of the recommendations of the Seal Committee, is highly objectionable. The Government of India, instead of calling a tripartite meeting to consider the entire question, appointed another committee of officials only, to go into the matter. The Seal Committee had turned down the recommendations of the Rath Committee, like correction of the 1960 series of 8 points, appointment of tripartite committees to supervise the compilation of index at each State and Central level, and certain other improvement in the machinery of price collection. Opposing this move of the Government, the Nati onal Compaign Committee of Central Trade Unions demanded a meeting of the Central trade unions at the central level, before conducting the family budget studies for the new series. But the Government have not taken the trade unions into confidence, resulting in workers losing crores of rupees every month in the form of Dearness Allowance, as the Consumer Price Index Numbers do not reflect the real price rise. Therefore, the National Campaign Committee does not accept the recommendations of the Seal Committee, and introduction of a new series. I, therefore, urge upon the Government to consider the demand of NCC for a meeting with the Central trade unions to discuss the recommendations of both the Rath Committee and the Seal Committee, so that proper steps can be taken to correct the existing series.

(v) DEMAND FOR CHANGE IN TIMINGS OF CERTAIN TRAINS.

श्री सत्य नारायण जटिया (उज्जैन) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं :

रेल यात्रा में जनता को अधिकाधिक सुविधा तथा सुरक्षा हेतु विशेष उपाय किया जाना चाहिए जिससे जनता की यात्रा सुगम सुरक्षित और सुविधाजनक हो सके। पश्चिम रेलवे की बम्बई अमृतसर के बीच वाली 25 डाउन तथा 26 अप रेलगाड़ी मे साबरमती एक्सप्रेस को नागदा जंक्शन पर कनेक्शन दिए जाने हेतु समय चक्र में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। साबरमती एक्सप्रेस का खाचरोद स्टेशन पर स्टापेज निरस्त कर दिया है जिसे पुनः स्वीकृत कर स्टापेज दिया जाना चाहिए। स्टापेज निरस्त करने के कारण जनता में रोष और असंतोष व्याप्त है। रतलाम से अजमेर की ओर दोपहर में जाने वाली मीटर गेज रेल गाड़ियों का समय परिवर्तन करने के कारण रेल यात्रियों को असुविधा है। अतएव समय चक्र पूर्ववत किया जावे।

इस हेतु 72 डाउन अथवा 90 डाउन रेलगाड़ी के वर्तमान समय चक्र में आवश्यक परिवर्तन किया जाय। दोपहर 4 बजे उपरान्त रतलाम से अजमेर की ओर से गाड़ी चलाने पर अधिक सुविधाजनक होगा। विक्रमगढ़ आलोट, महिदपुर रोड और खाचरोद में ग्रीष्मकालीन

हाली डे एक्सप्रेस का स्टापेज दिए जाने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। प्रस्तावित अवध एक्सप्रेस के ओखा तक विस्तार में विक्रमगढ़, आलोट, महिदपुर रोड, नागदा जंक्शन और खाचरोद स्टापेज सम्मिलित किए जावें।

वर्तमान में इन्दौर दिल्ली के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली रेल गाड़ी को प्रतिदिन चलाया जावे तथा रेल मंत्रालय जनता की सुविधा हेतु समय चक्र में आवश्यक परिवर्तन करे।

(vi) NEED FOR INCREASE IN QUOTA OF FOOD GRAINS TO UTTAR PRADESH

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, विगत दो वर्षों से केन्द्रीय पूल से उत्तर प्रदेश को आवश्यकता से कम मात्रा में गेहूं व चावल दिए जाने के कारण उत्तर प्रदेश के अधिकांश भागों, विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में अन्नाभाव की स्थिति पैदा हो गई है। इन पर्वतीय जिलों में इनकी आवश्यकता का केवल 10 प्रतिशत अन्न पैदा होता है। शेष अन्न के लिए लोग सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से विक्रय किए जाने वाले गेहूं व चावल पर निर्भर रहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इन क्षेत्रों के जनपदों को नाममात्र को गेंहूं व चावल आवंटित किया जा रहा है। एक यूनिट को एक माह में 5 सौ ग्राम से एक किलोग्राम तक चावल व दो किलो गेहूं प्राप्त हो पा रहा है।

यहां के लोग भयंकर कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। इन क्षेत्रों को अभाव व कमी के क्षेत्र मानकर केन्द्रीय सरकार को राज्य के लिए कुल अनाज के आवंटन के अन्तर्गत अभीष्ट आवश्यक मात्रा निर्धारित कर देना चाहिए। इन क्षेत्रों को योजना आयोग द्वारा भी वित्तीय सहायता आवंटन में विशेष दर्जा दिया गया है।

अतः केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय को इन क्षेत्रों हेतु खाद्यान्न का विशेष आवंटन करना चाहिए तथा राज्य को आवंटित खाद्यान्न की मात्रा को बढ़ा कर कम से कम दुगना करना चाहिए।

(vii) DEVELOPMENT OF CHITTORGARH FORTS A TOURIST SPOT

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तोरगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, नियम 377 के तहत पर्यटन विकास को प्रोत्साहन देने की तरफ सरकार का ध्यान मैं आकर्षित करना चाहूंगी। पर्यटक राष्ट्रीय एकता तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव का एक सशक्त माध्यम है। भारत अपने प्राचीन मंदिरों, एतिहासिक स्थलों व विविधतापूर्ण लोक संस्कृति के लिए सदा विदेशियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है।

देश के कई एतिहासिक स्थल खस्ता हालत में हैं। उसमें चितौड़गढ़ का जग प्रसिद्ध दुर्ग भी है। यहां पर्यटन विकास के लिए किए गए प्रयत्न अपर्याप्त हैं। मैं सरकार से मांग करूंगी कि चितौड़गढ़ के दुर्ग को पर्यटन स्थल बनाने के लिए निम्न सुविधा प्रदान की जाए। वायुदूत सर्विस शुरू की जाए। चितौड़गढ़ के पास सोनियाना में एक हवाई पट्टी बनी है उसको एयरपोर्ट में बदलकर नियमित वायु सेवा से जोड़ा जाए, चाहे सप्ताह में 2 या 3 दिन ही हो।

2. चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर जाने के लिए सुन्दर पहाड़ी स्थल को गार्डन में बदल कर चेयर लिफ्ट से जोड़ा जाए।

3. चितौड़गढ़ के शक्ति और भक्ति के इतिहास को साकार करने के लिए रात्री में साउन्ड और लाइट प्रोग्राम दिखाया जावे जहां पदमिनी का जौहर और पन्ना धाय का त्याग तथा मीरा की भक्ति साकार हो उठे।

4. चितौड़गढ़ दुर्ग पर यात्रियों के ठहरने